आरबीआई उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत से 70 लाख खुदरा यूजर्स हैं। एजेंसी

दावोस में यूपी ने किए 9750 करोड़ के करार

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में यूपी के प्रतिनिधिमंडल को सफलता

लखनऊ। स्विट्जरलैंड के दावोस में 19 से 23 जनवरी तक हो रही विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में यूपी ने 9750 करोड़ के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने इन्वेस्ट यूपी के समन्वय से वैश्विक कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारियां कर प्रदेश को भविष्य के लिए तैयार निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है।

समझौतों के तहत स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रक्षा विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश होगा। प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक कंपनियों लुई ड्रेफस, उबर टेक्नोलॉजीज, ऑटोमेशन एनीवेयर, कॉल्ड्रन, पेप्सीको, एचसीएल सॉफ्टवेयर, वेल्थ डोर, अनुपम रसायन इंडिया लिमिटेड, गूगल क्लाउड, ग्रीनको और डेलॉयट साउथ एशिया के साथ निवेश व तकनीकी सहयोग पर बैठकें कीं।

कार्बन कंपास के संस्थापक व सीईओ नीरज अग्रवाल से क्लाइमेट इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी से जुड़े अवसरों पर बात हुई। उबर से निवेश विस्तार, मोबिलिटी पार्टनरशिप व नोएडा में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल में अवस्थापना व औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद और यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह भी शामिल हैं। ब्यूरो

इनके साथ हुए करार : सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ 8000 करोड़ रुपये का वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट, सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ 1600 करोड़ का एआई रेडी डाटा सेंटर, नोएडा में एआई सिटी विकसित करने और यमन के साथ 150 करोड़ रुपये का रक्षा विनिर्माण व वेपन सिस्टम इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट को लेकर करार हुए।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व में भारत की प्रणाली बेमिसाल

दावोस। वैश्विक स्तर पर अरबपतियों के बढ़ते राजनीतिक रसूख व पूरे परिदृश्य पर कब्जे की आशंका जताते हुए, मानवाधिकार समूह ऑक्सफैम ने सोमवार को भारत की आरक्षण प्रणाली को आम लोगों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रगति का एक मजबूत उदाहरण बताया। ऑक्सफैम ने कहा, भारत में कोटा प्रणाली से हाशिए पर पड़े समूहों को विधायी प्रतिनिधित्व का मौका दिया जा रहा, जो बेमिसाल है। एजेंसी

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अपनी शर्तों पर व्यापार समझौते में सक्षम : ब्रेंडे

नई दिल्ली। अमेरिका की तरफ से दबाव बनाने की कोशिशों के बीच विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के प्रमुख बोर्गे ब्रेंडे ने भारत अब अपनी शर्तों पर व्यापारिक समझौते करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के उदय ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसके प्रभाव को मजबूत किया है। भारत अब यह तय कर सकता है कि वह कब और किसके साथ व्यापार समझौता करना चाहता है। ब्यूरो

लुई ड्रेफस, सिफी ने निवेश में दिखाई रुचि

लखनऊ। दावोस में आयोजित डब्ल्यूईएफ में अंतरराष्ट्रीय कंपनी लुई ड्रेफस सहित कई वैश्विक निवेशकों के साथ टीम योगी ने बैठक की। कृषि व्यापार व कमोडिटी आधारित अंतरराष्ट्रीय कंपनी ड्रेफस ने भारत में निवेश करने की इच्छा जताई है। अदाणी समूह को आपूर्ति के साथ उपभोक्ता ब्रांड वाइबर (खाद्य तेल) व दाल क्षेत्र में नई मिलें स्थापित करने की कंपनी की योजना है। डिजिटल सेवा प्रदाता सिफी टेक्नोलॉजीज ने नोएडा में एआई रेडी और रिन्यूएबल एनर्जी आधारित डाटा सेंटर स्थापित करने में रुचि दिखाई। सिफी के साथ एग्रीटेक, शिक्षा, हेल्थकेयर, मेडिकल डिवाइस, महिला स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की संभावनाओं पर भी बात हुई। ब्यूरो